

Inhalt

| | |
|----------------------------------|----|
| Erste Gedichte | 5 |
| Mein Kind..... | 6 |
| Mein Haus..... | 6 |
| Federtraum..... | 7 |
| Jahreszeiten | 8 |
| Lebenszeiten | 9 |
| Lieben | 10 |
| Windblumen | 11 |
| Winterwald | 12 |
| Winterland..... | 12 |
| Advent | 13 |
| Winter | 13 |
| Weihnachtszeit..... | 14 |
| Christnacht | 15 |
| Dezember | 16 |
| Oh Baum!..... | 17 |
| Herbst | 17 |
| Wandel..... | 18 |
| Frühlingsrauschen..... | 19 |
| Am Morgen | 19 |
| Am Abend..... | 20 |
| Morgendämmerung..... | 20 |
| Gewitter..... | 21 |
| Melancholie | 21 |
| Im Zenit..... | 22 |
| Völklingen | 23 |
| Arbeiterwelt | 24 |
| Aphorismen | 25 |
| Manchmal..... | 30 |
| Novembrisches Bittersüß..... | 31 |
| wach | 32 |
| haus | 33 |
| Sehnsucht..... | 33 |
| Ich habe es satt | 34 |

| | |
|-------------------------------------|----|
| Morgens | 34 |
| Mittags | 35 |
| Abends | 36 |
| Wanderungen | 36 |
| Loreley | 37 |
| Wildwuchs..... | 37 |
| Letztmalig | 38 |
| Glockenläuten..... | 39 |
| Verlust | 40 |
| Zersprungenes Gesicht..... | 41 |
| Mauern aus Glas | 42 |
| Abrüstung | 45 |
| Kommausdirherausmensch | 45 |
| AschenPuttel | 46 |
| Dahinter | 47 |
| Wachstum | 47 |
| Wo bleibt der Frühling..... | 48 |
| Oh blitzblanker Morgen | 49 |
| Oktobermorgen..... | 50 |
| Wie banal der | 51 |
| Mein Kuss an die Zeit vorüber | 51 |
| So kam das Flackern der Nacht..... | 52 |
| HABT ACHT IM STURM..... | 52 |
| Wir tänzelten fußauf fußab..... | 53 |
| Sonniger Zwist zwischen..... | 53 |
| Wer zählt noch..... | 54 |
| Nachsehen | 54 |
| Welche Begrüßung am Morgen..... | 55 |
| Anschlusslos | 56 |
| So war es..... | 57 |
| Mutterrechte | 58 |
| Fortbildung | 60 |
| Novembrisch..... | 61 |
| Gärend feuchte Luft... | 62 |
| November | 62 |
| Volkstanz..... | 63 |
| Hier und da..... | 64 |
| Januar..... | 65 |

| | |
|--------------------------------------|----|
| Zwischendrin | 65 |
| Abschied | 66 |
| Meine Hände | 66 |
| Wednesdaynightblues | 67 |
| Für Dich..... | 68 |
| Erinnerung an Dich..... | 69 |
| Lilien der Vergängnis..... | 70 |
| So leicht stirbt der Regen | 73 |
| Der freie Fall | 74 |
| Treibjagd..... | 75 |
| Fassadenrepublik | 75 |
| Verdachtsmomente | 76 |
| Minuswachstum | 76 |
| rechterns..... | 77 |
| erntezeit | 78 |
| Kassandra | 79 |
| Kleintiere | 79 |
| BürgerPflicht | 80 |
| heimat du..... | 81 |
| wettbewerbsfähig | 82 |
| Im Zweifel..... | 83 |
| Restholz..... | 84 |
| Schlusslied | 85 |
| Verwandlung des Textes | 86 |
| Scheinblüte..... | 87 |
| Fraglos | 88 |
| Kopfgeld | 89 |
| Verständigung | 90 |
| Der emanzipierte Frosch | 91 |
| vater männisch | 91 |
| das Kind | 92 |
| Enzyklika erotikam | 93 |
| erbsünde..... | 94 |
| frau christin | 94 |
| dogmatisch..... | 95 |
| Zwecklos..... | 96 |
| Unstimmig | 96 |
| Widerhall | 97 |

| | |
|--------------------------------------|-----|
| Punkt für Punkt..... | 97 |
| Sternwanderung..... | 98 |
| Eines Nachts..... | 98 |
| Gleichung mit zwei Unbekannten | 99 |
| Novemberstimmen | 100 |
| Falsche Rosen | 101 |
| Dein Lächeln | 101 |
| auferstehn..... | 102 |
| verdingt..... | 103 |
| wegezoll..... | 103 |
| steinkreuz | 104 |
| abgang | 104 |
| | |
| Asche auf den Stufen..... | 105 |
| gang art..... | 106 |
| ein möglich land..... | 107 |
| oktober ge(t)räumt | 108 |
| vorwärts..... | 109 |
| neuland | 110 |
| BRÜDER ZUR SONNE ZUR FREI..... | 110 |
| null wachstum..... | 111 |
| asche auf den stufen | 111 |
| wechselbriefe | 112 |
| absatz | 112 |
| schwunggrad | 113 |
| hoffnungssersuchen | 113 |
| gebetssteuer..... | 114 |
| vier millionen | 115 |
| lied der verlorenen | 115 |
| laut über laut..... | 116 |
| wetterschau..... | 117 |
| mummenschanz | 118 |
| neubau gebiet..... | 119 |
| lichtwechsel | 119 |
| Aschenspur | 121 |
| Schattengeister | 122 |
| Namenlos | 123 |
| wortlos | 124 |

| | |
|---|------------|
| Unveröffentlichte Gedichte | 125 |
| Draußen | 126 |
| Lampen bewohnen die Häuser | 126 |
| Langes Stehen | 126 |
| Aufpreis | 127 |
| Heute und wieder vorbei | 128 |
| Das Jawort | 129 |
| Stundenlicht | 129 |
| Eine Sehnsucht von Heimat | 130 |
| Bald | 130 |
| Stille im Haus | 131 |
| Bibliographie | 137 |